आशायें

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड सरकार, जिला आशा संसाधन केन्द्र एवं स्टेट आशा रिसोर्स सेन्टर, ग्राम्य विकास संस्थान, हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट के सौजन्य से

जनवरी - मार्च 2013, अंक 18

सम्पादक की कलम से

प्रिय पाठकगण,

'आशायें' अपने 18वें अंक के साथ फिर आपके हाथों में आ रहा है। 'आशायें' को प्रकाशित करते हुये हमारी अपेक्षा है कि यह पत्रिका अधिक से अधिक आशाओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा पढ़ी जाये और हमारे उत्साहवर्धन हेतु सुझाव दिया जाये ताकि इसको और उपयोगी बनाया जा सके। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत आपको स्वास्थ्य की बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। माँ और बच्चे का स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती है। स्वस्थ माँ ही स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है एवं स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं। आज आवश्यकता है स्वास्थ्य सेवाओं को उन वांछित माँ एवं बच्चों तक पहुंचाना जो सेवा नहीं ले पा रहे हैं। आपसे उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप बसन्त ऋतु के आगमन पर नवीन उम्मीद के साथ अपनी सेवाओं को सभी वांछित क्षेत्र में समुदाय तक बिखरेंगी।

इन्ही शुभकामनाओं सहित !

डॉ० वी०डी० सेमवाल
परियोजना प्रबन्धक
राज्य आशा संसाधन केन्द्र
आर०डी०आई०, एच०आई०एच०टी

मुख्य आकर्षण

▶▶ सम्पादक की कलम से.................................... 1
▶▶ उत्कृष्ट सेवाओं हेतु आशाएँ हुई सम्मानित.................... 2
▶▶ क्षमता विकास कार्यक्रम- एक नजर.......................... 3
▶▶ हमारी आवाज.. 4
▶▶ आशा को मिलने वाली प्रोत्साहन धनराशि..................... 5
▶▶ महत्वपूर्ण तिथियाँ.. 6
▶▶ न्यूज गैलरी... 6

''संकल्प शक्ति ही सफलता का आधार स्तम्भ है'' -डॉ० स्वामी राम

उत्कृष्ट सेवाओं हेतु आशाएँ हुई सम्मानित

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं आशा संसाधन केन्द्र द्वारा राज्य में पहली बार आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक विकासखण्ड से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आशा को उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार में ¡ 1000/–, द्वितीय पुरस्कार में ¡ 700/– एवं तृतीय पुरस्कार में ¡ 500/– की नगद धनराशि प्रदान की गई।

पूरे राज्य के 95 विकासखण्डों में प्रत्येक विकासखण्ड से तीन–तीन आशाओं का चयन किया गया जिन्हें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ आशाओं एवं आशा फैसीलिटेटर को एप्रेन और डायरी भी प्रदान किये गये। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था कि जिन आशाओं द्वारा वर्ष भर में अपने–अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया गया है,उनको सम्मानित किया जाये जिससे उनका मनोबल बढ़े और अन्य आशायें भी इससे प्रेरित होकर अच्छा कार्य करें।

इसके अलावा प्रत्येक जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाली व प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली सभी 13 आशाओं को मार्च 2013 में आशा कार्यक्रम की समझ को और अधिक बढ़ाने हेतु रायपुर (छत्तीसगढ़) भ्रमण हेतु भेजा गया। भ्रमण हेतु भेजी गयी आशाओं के नाम निम्नवत हैं –

क्र0 सं0	जनपद	विकासखण्ड	भ्रमण हेतु चयनित आशा का नाम	आयु	पता
1	चमोली	घाट	कमला देवी	35	ग्राम– लुन्टारा, पो0ऑ0– घाट, चमोली
2	देहरादून	डोईवाला	शशि बिष्ट	47	हिमालयन कालोनी, हरिपुर, पो0ऑ0– डोईवाला, देहरादून
3	हरिद्वार	नारसन	गीता पाण्डेय	45	ग्राम–मोहल्ला किला, मंगलौर, नारसन, हरिद्वार
4	टिहरी	नरेन्द्रनगर	विजयलक्ष्मी	35	ग्राम व पो0ऑ0–ढालवाला, ऋषिकेश, टिहरी गढ़वाल
5	पौड़ी	यमकेश्वर	सुनीता असवाल	31	ग्राम– खेड़ा तल्ला, पो0ऑ0– दयूली, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल
6	उत्तरकाशी	पुरोला	ममता	29	ग्राम व पो0ऑ0– भडराली, पुरोला, उत्तरकाशी
7	रूद्रप्रयाग	अगस्त्यमुनि	दुर्गा देवी	37	ग्राम– फलासी, पो0ऑ0– चोपटा, रूद्रप्रयाग
8	उधमसिंह नगर	रूद्रपुर	सुनीता सिंह	41	गांधी कालोनी, तराई, पैथोलोजी के पीछे, रूद्रपुर
9	नैनीताल	हल्द्वानी	गीता थापा	35	टनकपुर रोड़, धौला गेट, हल्द्वानी, नैनीताल
10	पिथौरागढ़	धारचूला	विजया ठंगुन्ना	38	ग्राम व पो0ऑ0– कालिका, धारचूला, पिथौरागढ़
11	बागेश्वर	गरूड़	गंगा आर्य	43	ग्राम व पो0ऑ0– कौसानी, गरूड़, बागेश्वर
12	चम्पावत	चम्पावत	कमला जोशी	30	ग्राम– जौल सूखीढांग, पो0ऑ0– सूखीढांग, चम्पावत
13	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	चम्पा अधिकारी	32	ग्राम व पो0ऑ0– द्वाराहाट, अल्मोड़ा

इसी क्रम में वर्ष 2012–13 में राष्ट्रीय मातृत्व दिवस के अवसर पर उपरोक्त 13 आशाओं में से ही राज्य स्तर पर उत्कृष्ट सेवाओं हेतु श्रीमती दुर्गा देवी, विकासखण्ड अगस्त्यमुनि, जनपद रूद्रप्रयाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय सहारा
देहरादून । मंगलवार • 16 अप्रैल • 2013

सुरक्षित मातृत्व के लिए दुर्गा को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

- राज्य की 11086 आशाओं में चयनित हुई दुर्गा
- स्वास्थ्य विभाग ने थपथपाई आशा वर्कर की पीठ

रुद्रप्रयाग (एसएनबी)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय मातृत्व सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में आशा वर्कर दुर्गा देवी करासी को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष कस्तूरबा गांधी जी के जन्म दिन पर सुरक्षित मातृत्व (सफेद रिबन) के प्रतीक के रूप में दिया जाता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान मुनिरका के प्रेक्षागृह में एक समारोह में संयुक्त सचिव डा. राकेश कुमार ने आशा वर्कर दुर्गा देवी को यह पुरस्कार दिया। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत दस राज्यों (जिनमें स्वास्थ्य सूचकांक काफी कम है) उत्तराखंड, आसाम, बिहार, उत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्यप्रदेश, ओड़ीशा, राजस्थान एवं उत्तर-प्रदेश की दस आशा वर्करों, एस एएनएम और दस डाक्टरों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। राज्य की 11086 आशाओं में से आशा वर्कर दुर्गा देवी को सुरक्षित मातृत्व के लिए उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कार दिया गया। दुर्गा ने वर्ष 2012-13 में 23 गर्भवती पंजीकरण, 35 संस्थागत प्रसव, 12 महिलाओं की निश्चित किट के जरिए गर्भावस्था का पता लगाने की जांच, गर्भावस्था में खतरे की स्थिति में अस्पताल पहुंचाने, गर्भवती महिलाओं में खून की कमी होने पर अस्पताल, प्रसव के बाद मां-बच्चे की देखभाल करने के लिए नियमित भ्रमण किया। इसके साथ ही गर्भवती गरीब महिलाओं की आर्थिक सहायता भी की। गोमती प्रयाग जन कल्याण परिषद (जिला आशा संसाधन केन्द्र) के प्रभारी डा. अनिल नौटियाल ने दुर्गा देवी को पुरस्कार मिलने पर खुशी जाहिर की और कहा कि दुर्गा देवी ने राज्य और जिले का नाम रोशन किया है। ब्लॉक कोऑडिनेटर गजपाल सिंह बुटोला ने कहा कि दुर्गा देवी की मेहनत और लगन से ही उन्हें पुरस्कार मिला है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. केडी शर्मा, हिमांशु नौडियाल, गोमती प्रयाग जनकल्याण के प्रमुख एसपी बहुगुणा ने दुर्गा देवी को बधाई दी और उन्हें आगे भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए कहा। प्रधान फलासी सरोजनी देवी, कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह बर्त्वाल ने भी दुर्गा देवी को बधाई दी और उनके कार्यों की प्रशंसा की।

अमर उजाला
देहरादून । मंगलवार । 16 अप्रैल 2013

दुर्गा सम्मानित

रुद्रप्रयाग। जिले की आशा कार्यकत्री दुर्गा देवी को बेहतर कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। दुर्गा को यह पुरस्कार कस्तूरबा गांधी की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया गया। दुर्गा देवी जनपद के ग्राम मलाऊं (फलासी) में आशा कार्यकत्री पद पर तैनात है। उनके द्वारा गत एक वर्ष में 35 महिलाओं का संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाया गया। इसके अलावा 23 गर्भवती पंजीकरण, 12 महिलाओं की गर्भावस्था की जांच करवाई गई। जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य के प्रति दुर्गा देवी के सराहनीय कार्य हेतु उनका चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए हुआ। जिला आशा केंद्र प्रभारी डॉ. अनिल नौटियाल और ब्लाक कार्डिनेटर गजपाल सिंह बुटोला ने इसे जिले, राज्य के लिए उपलब्धि बताया। उन्होंने जिले के अन्य आशा कार्यकत्रियों को भी इससे प्रेरणा लेने की अपील की है। ब्यूरो

दैनिक जागरण
देहरादून, 16 अप्रैल 2013

फलासी की दुर्गा को मिला बेस्ट राष्ट्रीय आशा अवार्ड

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दिया पुरस्कार
- प्रदेश में एकमात्र दुर्गा देवी का हुआ चयन

जागरण प्रतिनिधि, रुद्रप्रयाग: स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की अगस्त्यमुनि विकास खंड की मलाऊ फलासी गांव की आशा कार्यकत्री दुर्गा देवी करासी को राष्ट्रीय मातृत्व दिवस के अवसर पर बेस्ट राष्ट्रीय आशा अवार्ड से नवाजा गया।

यह पुरस्कार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. राकेश कुमार की ओर से नई दिल्ली में दिया गया। पुरस्कार के लिए पूरे प्रदेश में जिले से इस महिला का चयन हुआ है।

प्रतिवर्ष कस्तूरबा गांधी के जन्मदिन पर सुरक्षित मातृत्व के प्रतीक के रूप में यह पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष उक्त राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान मुनिरका के प्रेक्षागृह नई दिल्ली में 11 अप्रैल को किया गया।

केंद्र सरकार की ओर से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य की दृष्टि से दस राज्यों के आशा, एएनएम एवं डाक्टरों की ओर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुरक्षित मातृत्व पर उत्कृष्ट कार्य करने पर इस राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। इसी कड़ी में उत्तराखंड राज्य की 11086 आशाओं में से मलाऊ गांव की दुर्गा देवी करासी को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य पर बेस्ट राष्ट्रीय आशा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

क्षमता विकास कार्यक्रम एक नजर......

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड एवं आशा संसाधन केन्द्रों द्वारा गुणवत्तायुक्त क्षमता विकास हेतु जिला आशा प्रशिक्षकों, आशा फैसीलिटेटर एवं आशाओं को उनकी आवश्यकतानुसार विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम को लगभग सात वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवधि में जिलों में स्वास्थ्य के सूचकांकों में क्या–क्या सुधार हुये हैं, किन–किन क्षेत्र में स्वास्थ्य सूचकांक में सुधार की आवश्यकता है और उसके अनुरूप आगे किस–किस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उसी के अनुरूप निम्न प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया –

आशा 6 व 7वें मॉड्यूल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (रिफ्रेशर ट्रेनिंग) (12–14, 18–20 फरवरी 2013)

आशाओं के 6 व 7वें मॉड्यूल के चार दौरों में से पांच–पांच दिन के तीन दौरे का प्रशिक्षण राज्य में विगत वर्ष पूर्ण किया जा चुका है। इस प्रशिक्षण के बाद महसूसू किया गया है कि घर पर नवजात शिशु की देखभाल के प्रशिक्षण में कुछ कौशल जो कि आशाओं को प्रदान किये गये हैं, में फिर से एक बार गुणवत्ता के साथ प्रदान किये जाने की आवश्यकता है। इसके तहत ही एन.एच.एस.आर.सी., चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं राज्य आशा संसाधन केन्द्र द्वारा तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण (2 बैच)में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी, एल0एच0वी0, ए0एन0एम0 तथा समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्र के कम्यूनिटी मोबलाईजर एवं ब्लाक कोर्डिनेटर ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये राज्यप्रशिक्षक के रूप में श्री मनोज कुमार, डॉ0 गरिमा गुप्ता, सीनियर कंसलटेन्ट, एन0एच0एस0आर0सी0, डॉ0 अशोक नागदेवसीनियर मेडिकल ऑफिसर, स्टेट ट्रेनर, एन0आर0एच0एम0, मध्य प्रदेश, श्रीमती भगवती,स्टेट ट्रेनर, एन0आर0एच0एम0, पटना, बिहार एवं डॉ0 वी0डी0 सेमवाल, परियोजना प्रबन्धक, राज्य आशा संसाधन केन्द्र, आर0डी0आई0–एच0आई0एच0टी0 का सहयोग सराहनीय रहा।

पी0पी0आई0यू0सी0डी0 पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (15 एवं 21 फरवरी 2013)

इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत प्रसवोत्तर परिवार नियोजन एवं प्रसव के तुरन्त बाद आई0यू0सी0डी0 के प्रयोग पर प्रशिक्षण दिया गया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण (2 बैच) में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी, एल0एच0वी0, ए0एन0एम0 तथा समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्र के कम्यूनिटी मोबलाईजर एवं ब्लाक कोर्डिनेटर ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये राज्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ0 नीता भटनागर, जपायगो संस्था का सहयोग सराहनीय रहा।

कमजोर एवं वंचित वर्गों तक पहुंच बनाने हेतु प्रशिक्षण (28 जनवरी एवं 1 फरवरी 2013)

स्वास्थ्य सेवाओं को कमजोर एवं वंचित वर्गों या अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु एन0एच0एस0आर0सी0 द्वारा तैयार की गई एक सहयोगी मार्गदर्शिका जिससे स्वास्थ्य सेवायें सबसे गरीब, वंचित एवं असहाय वर्गों तक पहुंच सके, पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण (2 बैच) में कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें स्वास्थ्य विभाग के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्र के जिला कम्यूनिटी मोबलाईजर एवं ब्लाक कोर्डिनेटरों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये राज्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ0 सरोज नैथानी, संयुक्त निदेशक (रा0का0), उत्तराखण्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, डॉ0 गरिमा गुप्ता, सीनियर कंसलटेन्ट, एन0एच0एस0आर0सी0, डॉ0 वी0डी0 सेमवाल, परियोजना प्रबन्धक, श्री सतेन्द्र चौहान, क्षेत्रीय कार्यक्रम अधिकारी, राज्य आशा संसाधन केन्द्र, आर0डी0आई0–एच0आई0एच0टी0 का सहयोग सराहनीय रहा।

इस क्रम को आगे बढ़ाते हुये समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्रों द्वारा जनपद स्तर पर आशाओं हेतु इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 595 आशा फैसीलिटेटर एवं 10008 आशाओं को प्रशिक्षित किया गया। जिससे आशायें भविष्य में वंचित वर्गों व लोगों को गुणवत्तायुक्त सेवायें प्रदान कर सकें।

गिरता लिंग अनुपात पर प्रशिक्षण (29 एवं 31 जनवरी 2013)

देश के सापेक्ष राज्य के गिरते हुये लिंग अनुपात को देखते हुये चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत जेण्डर भेदभाव एवं गिरते लिंगानुपात पर समझ बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण (2 बैच) में कुल 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्र के कम्यूनिटी मोबलाईजर एवं ब्लाक कोर्डिनेटर तथा पी0सी0पी0एन0डी0टी0 जिला कोर्डिनेटरों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये राज्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ0 सरोज नैथानी, संयुक्त निदेशक (रा0का0), उत्तराखण्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्री गुरजीत रावत, प्लान इण्डिया, नई दिल्ली, श्री राजेश तिवारी, वात्सल्स, लखनऊ, श्री शशि भूषण एवं शारदा बिजल्वाण, एस0बी0एम0ए0, देहरादून का सहयोग सराहनीय रहा।

इस क्रम को आगे बढ़ाते हुये समस्त जिला आशा संसाधन केन्द्रों द्वारा जनपद स्तर पर आशाओं हेतु इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 600 आशा फैसीलिटेटर एवं 10127 आशाओं को प्रशिक्षित किया गया। जिससे आशायें भविष्य वंचित व लोगों वर्गों को बेहतर गुणवत्तायुक्त सेवायें प्रदान कर सकें।

......''जीवन दायिनी आशा की कहानी''......

मैं शकुन्तला देवी ग्राम– आलावृद्धी ब्लॉक– खटीमा उधम सिह नगर में आशा कार्यकर्ती हूँ। आज से पिछले दो महीने की बात है। मेरे गांव मे बहुत ही गरीब परिवार से एक गर्भवती महिला थी जिसको सातवां महीना चल रहा था। अचानक एक दिन उसकी तबीयत बहुत खराब हो गई और वह बहुत कमजोर भी थी। जिससे उसे दर्द भी शुरु हो गया। जब मैंने उसके घरवालों से अस्पताल जाने की बात की तो उसकी सास ने कहा की अब प्रसव होने वाला है और घर पर ही बच्चा हो जायेगा। तब मैंने तुरन्त उसके पति से महिला को होने वाले खतरों के बारे में बताया तो उसने कहा कि इस समय तो पैसा हमारे पास नहीं है, कैसे ले जायें? तब मैंने तुरन्त 108 को फोन किया और ग्राम प्रधान से बात कर वी0एच0एस0एन0सी से कुछ पैसे दिलाये और अस्पताल ले गई साथ ही उसका इलाज भी करवाया। इस तरह वह महिला ठीक हो गई। नौ महीने पश्चात् उसने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। यदि उस समय उसका इलाज नहीं हो पाता तो शायद प्रसव होने से पहले ही उस महिला के साथ बड़ी दुर्घटना घटित हो जाती इस तरह उस महिला की जान बच गई।

शकुन्तला देवी
आशा कार्यकर्ती
ग्राम-आलावृद्धि, विकासखण्ड-खटीमा
उधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

''आशा''

ए.एन.एम.–आंगनवाड़ी सबका कहना है।
एक हजारों में मेरी आशा बहना है।।

सारी उम्र आशा को गांव में रहना है।
ए.एन.एम.– आंगनवाड़ी सबका कहना है।।

टीके आशा लगवाती, पंजीकरण है कराती।
गांव–गांव, घर–घर में आशा हर रोज है जाती।।

सारे समाज के साथ में रहना है।
एक हजारों में मेरी आशा बहना है।।

ए.एन.एम.– आंगनवाड़ी सबका कहना है।
नवजात शिशु को है बचाती उसको नव जीवन दिलाती।।

कम वजन का है शिशु या कुपोषण को है पहचानती।
नन्हे शिशुओ को हमें है बचाना।।

एक हजारों में मेरी आशा बहना है।
ए.एन.एम.– आंगनवाड़ी सबका कहना है।।

गीता भट्ट
आशा कार्यकर्ती
ग्राम चकरपुर, विकासखण्ड खटीमा
जनपद उधमसिंह नगर

एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत आशा को विभिन्न गतिविधियों में मिलने वाली प्रोत्साहन धनराशि

क्र.सं.	गतिविधियाँ	प्रोत्साहन धनराशि
I	**मातृ स्वास्थ्य**	
1	संस्थागत प्रसव हेतु जननी सुरक्षा योजना	600 रु0 प्रति केस ग्रामीण क्षेत्र (300 रू0 गर्भवती महिला की जांच एवं 300 रू0 संस्थागत प्रसव में सहयोग हेतु) 400 रु0 प्रति केस शहरी क्षेत्र (200 रू0 गर्भवती महिला की जांच एवं 200 रू0 संस्थागत प्रसव में सहयोग हेतु)
2	सामुदायिक स्तर पर मातृ–मृत्यु (सही सूचना के आधार पर)	200 रु0 प्रति केस
II	**बाल स्वास्थ्य**	
1	नवजात शिशु एवं प्रसव पश्चात मां की देखभाल के लिए किए गए घर के दौरे जैसा एचबीएनसी दिशा निर्दश में निर्दिष्ट (संस्थागत प्रसव के मामलों में 6 दौरो एंव घर पर प्रसव के मामले में दौरे)	250 रू0 प्रति केस
III	**टीकाकरण**	
1	वी0एच0एण्ड0डी0 के दौरान टीकाकरण के लिये बच्चों की सामाजिक गतिशीलता	150 रु0 प्रति केस
2	एक वर्ष तक के बच्चे का टीकाकरण	100 रु0 प्रति केस
3	एक वर्ष से दो वर्ष के बीच के बच्चे का पूर्ण टीकाकरण	50 रु0 प्रति केस
4	पोलियो के टीकाकरण हेतु पल्स पोलियो कार्यक्रम में बच्चों की गतिशीलता	75 रू0 प्रति दिन
IV	**परिवार नियोजन**	
1	महिला नसबन्दी	150 रु0 प्रति केस
2	पुरुष नसबन्दी	200 रु0 प्रति केस
3	विवाहोपरान्त 2 वर्ष की स्पेसिंग सुनिश्चित करना	500 रु0 प्रति केस
4	पहले व दूसरे बच्चे के 3 वर्ष का अन्तराल	500 रु0 प्रति केस
5	दो बच्चों के जन्म के बाद स्थायी विधि अपनाने पर	1000 रु0 प्रति केस
V	**किशोरावस्था स्वास्थ्य**	
1	किशोरियों हेतु सैनेट्री नेपकिन का वितरण	1 रू0 प्रति पैक
2	किशोरियों हेतु मसिक धर्म स्वच्छता पर आधारित मासिक बैठक	50 रू0 प्रति बैठक
VI	**निर्मल ग्राम पंचायत कार्यक्रम**	
1	शौचालय प्रयोग हेतु प्रोत्साहन	75 रु0 प्रति परिवार शौचालय
VII	**ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति**	
1	ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की मासिक बैठक	150 रू0 प्रति बैठक
VIII	**आर0एन0टी0सी0पी0**	
1	डॉट्स (टी0बी0 के पूर्ण उपचार हेतु)	250 रु0 प्रति केस
IX	**राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण कार्यक्रम**	
1	कुष्ठ रोग पहचान एवं पूर्ण उपचार	पी0बी0 300 रु0 प्रति केस एम0बी0 500 रु0 प्रति केस
X	**राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम**	
1	ब्लड स्लाईड बनाने हेतु	5 रु0 प्रति स्लाइड 25 रु0 पी0एफ0आर0टी0 50 रु0 पी0बी0आर0टी0
XI	**बैठक**	
1	ब्लॉक स्तर पर मासिक बैठक	100 रु0 प्रति केस

हमें याद रखें हम कुछ खास हैं

31 मई
तम्बाकू निषेध दिवस

5 जून
विश्व पर्यावरण दिवस

27 जून
विश्व मधुमेह दिवस

14 जून
विश्व रक्तदाता दिवस

11 जुलाई
विश्व जनसंख्या दिवस

आशायें इन दिवसों को अवश्य मनायें

न्यूज गैलरी

ग्रामीण क्षेत्रों में आशाओं का योगदान सराहनीय : शर्मा

सर्वश्रेष्ठ आशा कार्यकत्री चुनीं गईं विजयलक्ष्मी

आशा वर्कर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की रीढ़

सम्मान
- उल्लेखनीय कार्यों के लिए जिले की 24 आशा वर्कर सम्मानित

आशा कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान

आशाओं के लिए उपयोगी पुस्तिकाओं हेतु सम्पर्क करें

आओ जाने और समझें

प्राथमिक चिकित्सा

दाई प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

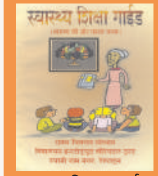
स्वास्थ्य शिक्षा गाईड

मासिक चक्र माला

स्वास्थ्य एवं पोषण

स्टेट आशा रिसोर्स सेन्टर (एस.ए.आर.सी.)
ग्राम्य विकास संस्थान
हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट
स्वामी राम नगर, पो.ओ. डोईवाला
देहरादून 248140
www.hihtindia.org
☎ 0135-2471426
Tele Fax: 0135-2471427
E-mail: rdi@hihtindia.org